AMOGHVARTA
ISSN : 2583-3189

ग्राम लखनपुर,सरगुजा, छत्तीसगढ़ का जनांकिकीय अध्ययन

ORIGINAL ARTICLE

Author
भूपेंद्र कुमार
सहायक प्राध्यापक, भूगोल विभाग
दुर्गा महाविद्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

शोध सार

भारत गांव का देश है जब तक गाँव आत्मनिर्भर नहीं हो जाता तब तक देश का विकास नहीं हो सकता। हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है जहां की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य पर संलग्न है ग्रामों में निवास करने वाली कृषकों का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। देश को समृद्धशाली बनाने में कृषकों का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत अध्ययन लखनपुर विकासखंड में किया गया है जो की सरगुजा जिले के उत्तर दिशा में स्थित है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य ग्राम की जनांकिकीय संरचना, भौगोलिक स्थिति, सामाजिक संरचना, आर्थिक एवं पारिवारिक स्थिति का समग्र मूल्यांकन करना है। प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र एक पठारी भू– भाग पर स्थित है। यहाँ लाल एवं दोमट मिट्टी पाई जाती है। यहां का अधिकतम तापमान अधिकतम 40 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है। यह क्षेत्र आंशिक रूप से वनाच्छादित है और कृषि योग्य भूमि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। यहाँ वर्षा आधारित खेती का प्रचलन है तथा सिंचाई की समुचित सुविधा का अभाव है। सर्वेक्षण हेतु 30 परिवारों का चयन किया गया है जिसकी कुल संख्या लगभग 124 है जिनमें पुरुष 70 और महिला 54 है। सामाजिक दृष्टि से यहां अन्य पिछड़ा वर्ग की संख्या सर्वाधिक है। संयुक्त परिवारों की तुलना में एकल परिवारों की संख्या सर्वाधिक है। शिक्षा की दृष्टि से यहां प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी तक की स्कूली शिक्षा उपलब्ध है, और साक्षरता दर संतोषजनक है। इस क्षेत्र का मुख्य व्यवसाय कृषि है। यहां के लगभग सभी परिवारों के पास स्वयं की कृषि भूमि है। धान मुख्य फसल है साथ ही कोदो, कुटकी, उड़द आदि का उत्पादन भी किया जाता है।

मुख्य शब्द

गाँव, विकास, कृषि.

प्रस्तावना

जनांकिकीय अध्ययन हेतु ग्राम लखनपुर छत्तीसगढ़ प्रदेश के सरगुजा जिले के अंतर्गत स्थित है यह क्षेत्र प्राकृतिक दृष्टि से समृद्ध और पहाड़ी, जंगलों तथा जल स्रोतों से घिरा हुआ है। यहां की जलवायु शीतोष्ण है और यहां विभिन्न प्रकार के वनस्पति एवं जीव–जंतु देखने को मिलते हैं। यह क्षेत्र भी वन्य प्रदेश के अंतर्गत आता है। यहां पर पाटदार मानसून वर्षा पाई जाती है जिसकी समुद्र तल से औसतन ऊंचाई लगभग 619 मीटर है।

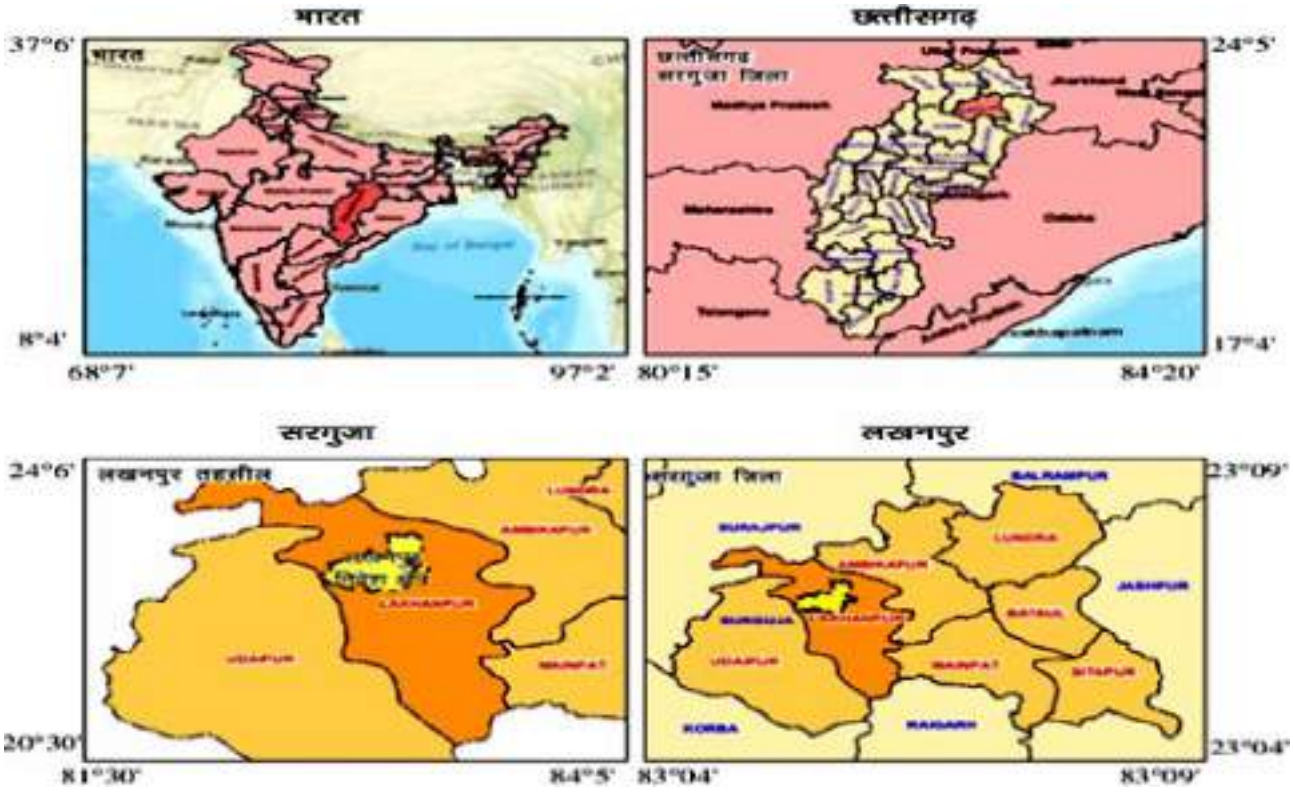

स्थिति एवं विस्तार

प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र सरगुजा से लगभग 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जनांकिकीय, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से विकासशील क्षेत्र है, जो भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है ग्राम – लखनपुर का भौगोलिक क्षेत्र $23^{0}04'00''$ से $23^{0}09'00''$ उत्तरी अक्षांश तथा $83^{0}04'00''$ से $83^{0}09'00''$ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है।

ग्राम– लखनपुर (सरगुजा, छ.ग.) स्थलाकृति मानचित्र

1:50,000

उपग्रह मानचित्र

लखनपुर, सरगुजा जिले का एक प्रमुख तहसील है, जो छत्तीसगढ़ राज्य के उत्तरी भाग में स्थित है। उपग्रह मानचित्रो के माध्यम से लखनपुर की भौगोलिक स्थिति, सड़के, नदिया और आसपास के गांवो की स्पष्ट जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यह क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, जिसमें कोयला और बॉक्साइट जैसे खनिज शामिल

है। लखनपुर के उपग्रह मानचित्रो का उपयोग कृषि, खनन, पर्यावरणीय अध्ययन और विकास योजनाओं के लिए किया जाता है जिसमें क्षेत्र की समग्र समझ में सहायता मिलती है।

उपग्रह मानचित्र

उच्चावच

समुद्र सतह से धरातल की औसतन ऊंचाई समोच्च रेखाओं के द्वारा दर्शाया गया है जो धरातल पत्रक क्रमांक F44L1(64N@l) से स्पष्ट है कि ग्राम लखनपुर में समोच्च रेखा की अधिकतम ऊंचाई 650 मीटर और न्यूनतम 540 मीटर है। यह क्षेत्र पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्र के अंतर्गत स्थित है।

ग्राम – लखनपुर (सरगुजा), समोच्च रेखा

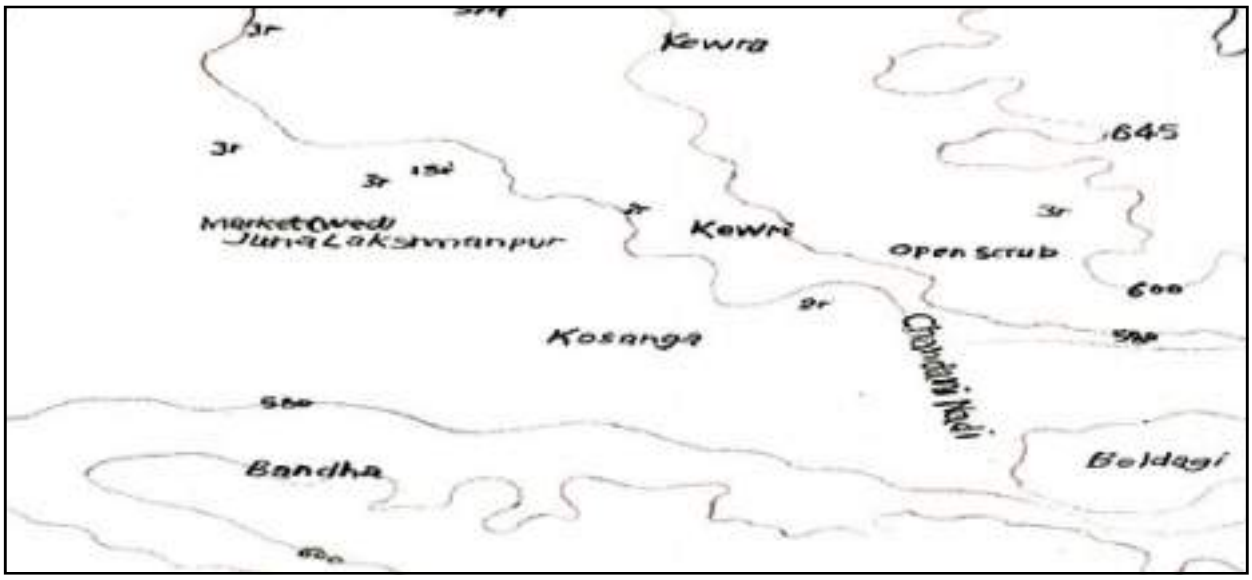

अध्ययन का उद्देश्य

1. ग्राम की जनांकिकी संरचना का अध्ययन करना।
2. ग्राम की सामाजिक एवं आर्थिक दशाओं का विश्लेषण करना।
3. ग्राम की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को समझना।

अध्ययन क्षेत्र का चुनाव

जनांकिकीय अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले तहसील एवं ग्राम लखनपुर को अध्ययन क्षेत्र

के रूप में चयनित किया गया है। ग्राम लखनपुर की स्थिति लगभग 12 किलोमीटर के दायरे में है। यह क्षेत्र लगभग $22^0 83'27''$ उत्तरीय अक्षांश एवं $82^0 96'52''$ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है। यहां का कुल क्षेत्रफल लगभग 5408.68 हेक्टेयर में फैला हुआ है।

विधि तंत्र

प्रस्तुत क्षेत्र का अध्ययन करने हेतु दो प्रकारों के विधि तंत्र का उपयोग किया गया हैः

1. प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र के अंतर्गत प्राथमिक आंकड़ों का संकलन करने हेतु प्रश्नावली एवं अनुसूची के माध्यम से सूचनाओं को एकत्रित किया गया है।
2. द्वितीयक आंकड़ों का संकलन प्रकाशित दस्तावेजों जैसे– राजस्व विभाग,जनगणना विभाग,उद्योग विभाग आदि से प्राप्त किए गए हैं साथ ही इंटरनेट और भारतीय मौसम विभाग से भी सहयोग लिया गया है।

आंकड़ों का विश्लेषण

संकलित आंकड़ों के विश्लेषण हेतु प्राथमिक आंकड़ों, सांख्यिकीय विधियों, जी. आई. एस. एवं जनगणना से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर अध्ययन किया गया है।

जनांकिकीय संरचना

जनसंख्या

जनसंख्या ही वह संदर्भ बिंदु है जिसके कारण भूगोलवेत्ता अन्य पर्यावरणीय तंत्रों का अध्ययन करता है जिसका महत्व तथा अर्थ मानव के संदर्भ में निहित है। किसी भी क्षेत्र अथवा प्रदेश के राष्ट्रीय विकास में उसे क्षेत्र की जनसंख्या का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। प्रस्तुत क्षेत्र की आर्थिक – सामाजिक समृद्धि को विकसित करने में एवं सशक्त बनाने में जनांकिकी संरचना का विशेष महत्व है। अध्ययन क्षेत्र ग्राम – लखनपुर (सरगुजा) के चयनित क्षेत्र में कुल 30 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है जिसकी कुल जनसंख्या 124 है जिसमें पुरुषों की संख्या 70 और महिलाओं की संख्या 54 है। 2011 की जनगणना के अनुसार ग्राम – लखनपुर की जनसंख्या लगभग 6270 है जिसमें पुरुषों की संख्या 3172 और महिलाओं की संख्या 3098 है। यहां महिला एवं पुरुष अनुपात लगभग संतुलित अवस्था में है।

सर्वेक्षित ग्राम– लखनपुर में कुल जनसंख्या

लिंग संरचना	जनसंख्या
पुरुष	3,172
महिला	3,098
कुल	6,270

(स्रोतः 2011 की जनगणना के अनुसार)

लिंगानुपात दर

किसी क्षेत्र के जनांकिकी संरचना के विश्लेषण के लिए स्त्री– पुरुष अनुपात मूलाधार है, क्योंकि यह भू–दृश्य का एक महत्वपूर्ण लक्षण ही नहीं बल्कि यह जनांकिकीय संरचना को भी महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है। लिंगानुपात का प्रभाव अन्य जनांकिकीय तत्व यथा – जनसंख्या वृद्धि, विवाह दर, व्यावसायिक संरचना पर भी पड़ता है। प्रति हजार पुरुषों के पीछे महिलाओं की कुल संख्या को लिंगानुपात कहते हैं। किसी जनसंख्या के सभी आयु वर्ग के कुल पुरुष एवं स्त्रियों के अनुपात को लिंगानुपात कहते हैं। वास्तव में लिंगानुपात किसी प्रदेश की अर्थव्यवस्था तथा सामाजिक स्थिति का महत्वपूर्ण सूचक होता है। लिंगानुपात का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष प्रभाव विभिन्न जनांकिकीय तत्वों जैसे – प्रजननता, मृत्यु दर, जनसंख्या परिवर्तन, व्यावसायिक संरचना आदि पर होता है। सर्वेक्षित क्षेत्र सरगुजा जिला के लखनपुर तहसील के अंतर्गत ग्राम लखनपुर में चयनित 30 परिवारों का सर्वेक्षण किया गया है जिसकी कुल जनसंख्या 124 है, जिसमें पुरुष 56 प्रतिशत तथा महिला 44 प्रतिशत है। इससे यह प्रदर्शित होता है कि यहां

पुरुषों की संख्या अधिक है।

लिंग संरचना

लिंग संरचना	प्रतिशत
पुरुष	056
महिला	044
कुल	100

(स्रोतः व्यक्तिगत सर्वेक्षण 2025)

आयु संरचना

सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर के चयनित परिवारों की कुल संख्या 124 (70 पुरुष, 54 महिलाएं) है जिसको आयु के आधार पर सात वर्गों में विभाजित किया गया है। जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा 16 से 29 वर्ष के युवाओं का (पुरुष 36.79 प्रतिशत, महिलाएं 32.33 प्रतिशत) जो कार्यशील वर्ग है। 0– 15 वर्ष के बच्चों की संख्या भी अच्छी है जो भविष्य की जनसंख्या वृद्धि को दर्शाती है। 60 वर्ष के ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कम है। कुल मिलाकर गांव में युवाओं की बहुलता है और पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है।

आयु	महिला	%	पुरुष	%
0–6	3	05.57	06	08.70
6–15	8	13.22	09	13.20
16–29	17	32.33	25	36.79
30–39	7	11.70	07	10.39
40–49	10	19.24	11	16.04
50–59	4	08.52	06	07.30
60 above	5	09.32	06	07.75
कुल	54	100	70	100

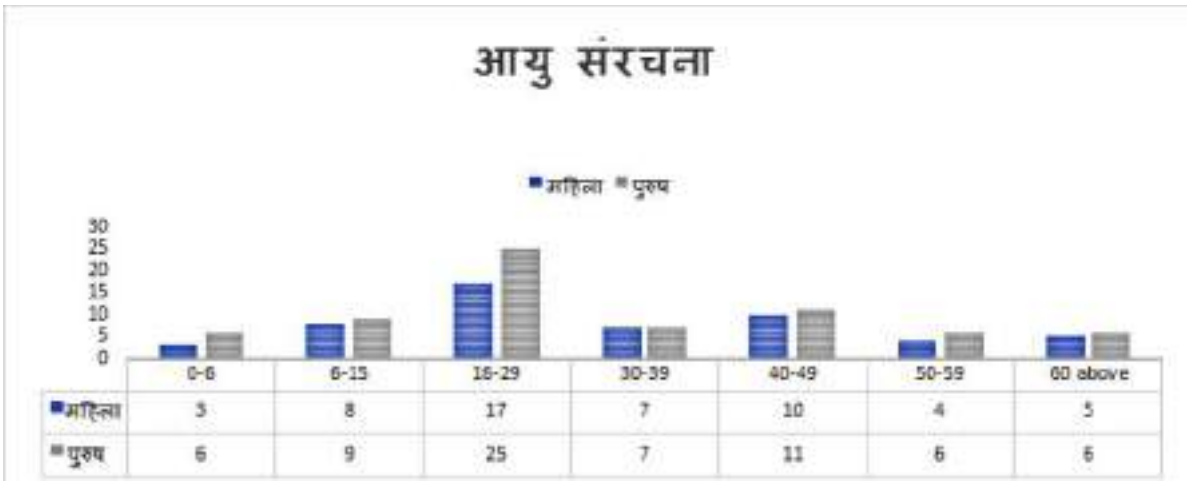

शैक्षणिक स्थिति

सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर में चयनित परिवारों की कुल जनसंख्या में 88.4 प्रतिशत व्यक्ति शिक्षित हैं तथा 11.6 प्रतिशत व्यक्ति अशिक्षित है। यह आंकडे यह संकेत करता है कि अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का स्तर अच्छा है, लेकिन शत – प्रतिशत साक्षरता प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक बुनियादी ढांचे और विकास की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में शिक्षा को और अधिक सुलभ एवं सशक्त करने हेतु सरकारी एवं सामाजिक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

शैक्षणिक स्थिति	प्रतिशत
शिक्षित	088.4
अशिक्षित	011.6
कुल	100.0

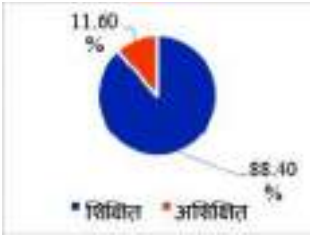

शिक्षा का स्तर

शिक्षा का स्तर किसी भी समाज के विकास तथा प्रगति का महत्वपूर्ण सूचक है। शिक्षा स्तर व्यक्तियों के जीवन जीने की गुणवत्ता में परिवर्तन लाता है। शिक्षा स्तर किसी भी व्यक्ति या समुदाय के आधुनिकीकरण का एक अच्छा मापक है। सर्वेक्षित क्षेत्र ग्राम लखनपुर में प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु अनेक शासकीय प्रयास किया जा रहे हैं जिसमें आंगनबाड़ी, प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला तथा हायर सेकेंडरी स्कूल की व्यवस्था प्रमुख रूप से उपलब्ध है।

क्र.	शैक्षणिक स्थिति	पुरुष(66)	पुरुष प्रतिशत	महिला(51)	महिला प्रतिशत
1	आंगनबाड़ी	02	02.97	1	01.20
2	प्राथमिक शाला	24	36.64	13	26.53
3	माध्यमिक शाला	16	23.76	16	31.63
4	हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी	16	24.75	18	36.73
5	उच्च शिक्षा (कॉलेज)	08	11.88	3	04.09
	कुल	**66**	**100**	**51**	**100**

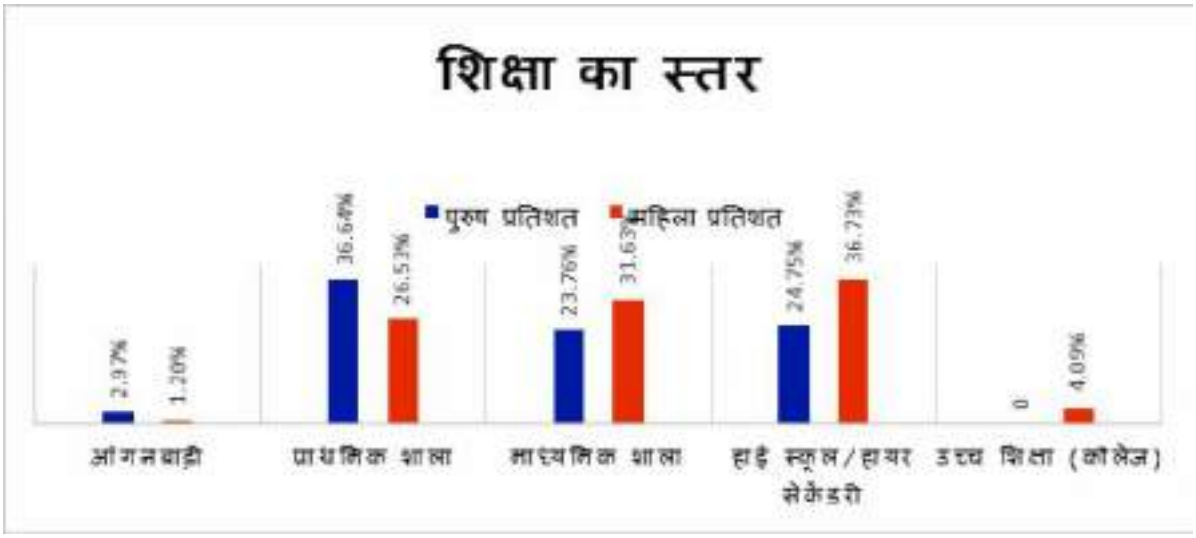

जाति संरचना

जाति व्यवस्था एक सामाजिक संगठन है जो भारतीय समाज में प्रबल है। किसी क्षेत्र की सामाजिक – आर्थिक व्यवस्था में जाति संरचना का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी आधार पर समाज कई वर्गों में विभाजित है जनसंख्या भूगोल में जाति संरचना का अध्ययन इसलिए आवश्यक है, क्योंकि विभिन्न प्रजाति वर्ग और जाति वर्ग की पृथक पहचान और परंपरागत विचारधारा होती है। सर्वेक्षित क्षेत्र ग्राम लखनपुर में विभिन्न जातीय वर्गों का वितरण निम्नानुसार पाया गया है। इस क्षेत्र में अन्य पिछड़ा वर्ग की संख्या सर्वाधिक 64.11 प्रतिशत है जिससे स्पष्ट होता है कि यहां पर इस जाति समूह का प्रभाव अधिक है। अन्य वर्गों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा सामान्य वर्ग की भी उपस्थिति पाई गई है। यह जातीय संरचना सामाजिक विविधता वह सामाजिक एकता को दर्शाती है।

जाति संरचना	प्रतिशत
अन्य पिछड़ा वर्ग	64.11
अनुसूचित जाति	05.65
अनुसूचित जनजाति	17.99
सामान्य जाति	12.25
कुल	100.00

मकानो की दशा एवं स्वामित्व

सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर में सभी परिवारों के पास स्वयं का मकान है। इन मकानों की दशा को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है – कच्चा मकान, पक्का मकान एवं मिश्रित मकान। सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सबसे अधिक परिवारों के पास पक्का मकान (68.3 प्रतिशत) है। इसके पश्चात् कच्चा मकान (13.7 प्रतिशत) और अर्ध पक्का मकान (18 प्रतिशत) है। इससे स्पष्ट होता है कि ग्राम में पक्का मकान की संख्या अधिक है। सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर के चयनित परिवारों में 100 प्रतिशत परिवारों के पास स्वयं का मकान है।

वैवाहिक स्थिति

विवाह एक स्वीकृत सामाजिक प्रणाली है, जिसके अनुसार दो या अधिक व्यक्ति परिवार की स्थापना करते हैं। वैवाहिक संरचना, जनसंख्या की ऐसी महत्वपूर्ण सामाजिक विशेषता है, जो जनांकिकीय तथ्यों को अपेक्षाकृत अधिक प्रभावित करती है। जनसंख्या के अध्ययन में किसी क्षेत्र की जनसंख्या की वैवाहिक स्थिति का ज्ञान प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह उसे क्षेत्र की जनसंख्या के जन्म दर को निर्धारित करती है। अध्ययन क्षेत्र में विवाह की आयु को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है जिसमें 18 से कम (8.2 प्रतिशत), 18 से 25 (88.8 प्रतिशत) एवं 25 से अधिक (3 प्रतिशत) है। सर्वेक्षण से यह स्पष्ट है कि 18 से 25 वर्ष की आयु में वैवाहिक स्थिति सर्वाधिक है।

वैवाहिक आयु	प्रतिशत में
18 से कम	8.2
18 से 25	88.8
25 से अधिक	3.0
कुल	**100.0**

वैवाहिक दशा

अध्ययन क्षेत्र ग्राम लखनपुर में वैवाहिक वर्ग की प्रचुरता है,क्योंकि इस क्षेत्र में शिक्षित और अशिक्षित दोनों वर्ग के व्यक्ति निवास करते हैं जिसके कारण से 18 से 25 वर्ष में ही शादी कर दी जाती है। सर्वेक्षण के अनुसार विवाहित 65.7 प्रतिशत, अविवाहित 31.5 प्रतिशत, विधवा 3.3 प्रतिशत, विधुर 2.5 प्रतिशत है।

वैवाहिक स्थिति	प्रतिशत में
विवाहित	62.7
अविवाहित	31.5
विधवा	3.3
विधुर	2.5
कुल	100

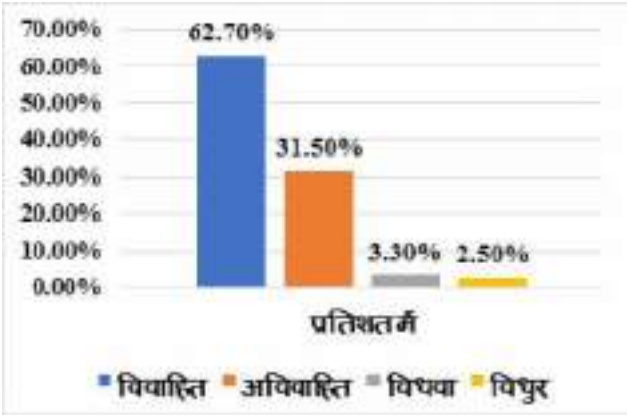

कार्यशील एवं अकार्यशील जनसंख्या

15 से 59 वर्ष के आयु समूह को जनसंख्या को कार्यशील जनसंख्या कहा जाता है तथा शेष आयु वर्ग को अकार्यशील जनसंख्या माना जाता है। कार्यशील जनसंख्या कार्य करने में सक्षम होती है तथा इससे ग्राम की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस अध्ययन में ग्राम लखनपुर की लोगों को दो वर्गों में विभाजित किया गया है। कार्यशील जनसंख्या (15–59) एवं अकार्यशील जनसंख्या (015 या 60+)

वर्ग	कार्यशील जनसंख्या (15–59) प्रतिशत में	अकार्यशील जनसंख्या (0 –15 या 60+) प्रतिशत में
महिला	036	049
पुरुष	064	051
कुल योग	100	100

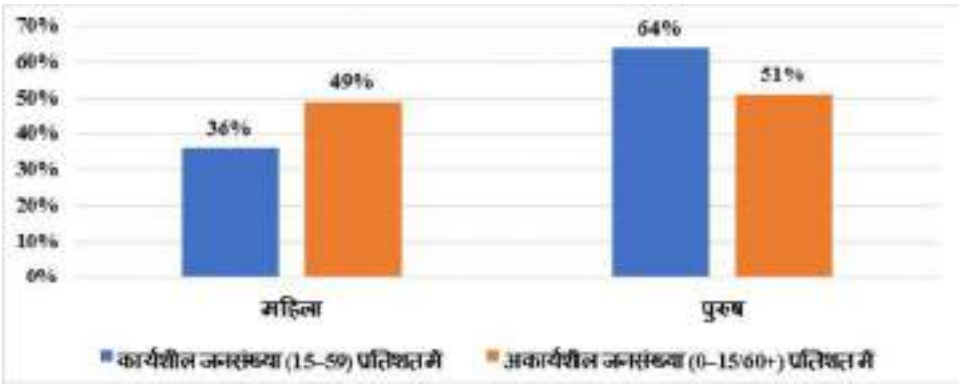

फसल प्रतिरूप

सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर की भूमि की गुणवत्ता सिंचाई की उपलब्धता एवं जलवायु परिस्थितियों के अनुसार क्षेत्र में एक या दो फसले ली जाती है। यहां कुछ किसान खरीफ फसल ही लेते हैं, जबकि कुछ रबी फसल भी उगाते हैं। क्षेत्र की सिंचाई के लिए ट्यूबवेल, तालाब, नहर आदि का उपयोग किया जाता है।

सिंचित एवं असिचित भूमि

सर्वेक्षित ग्राम लखनपुर में सिंचाई के लिए ट्यूबवेल, तालाब, नहर आदि का उपयोग किया जाता है। ग्राम में 53 प्रतिशत भूमि सिंचित है जबकि 47 प्रतिशत भूमि असिंचित है। सिंचाई की सुविधा जहां बेहतर है वहाँ दोहरी फसल लेने की संभावना भी अधिक होती है। कृषि उत्पादकता को बढ़ाने के लिए सिंचाई साधनों का विस्तार आवश्यक है।

कृषि भूमि

ग्राम लखनपुर में कृषि के लिए उपयुक्त भूमि है। यहां कृषि में 85 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्य में प्रत्यक्ष एवं

अप्रत्यक्ष रूप से संलग्न है जिनमें अनेक परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार आ सके ऐसा देखा गया है। यहां 1 से 2 एकड़ कृषि भूमि वाले 70 प्रतिशत परिवार हैं, और सबसे कम 0 से 1 एकड़ भूमि वाले 14 परिवार है।

भूमि की स्थिति	परिवारों की संख्या	प्रतिशत
1 से कम	04	14
1 से 2	21	70
2 से 3	03	10
3 से अधिक	02	06
योग	30	100

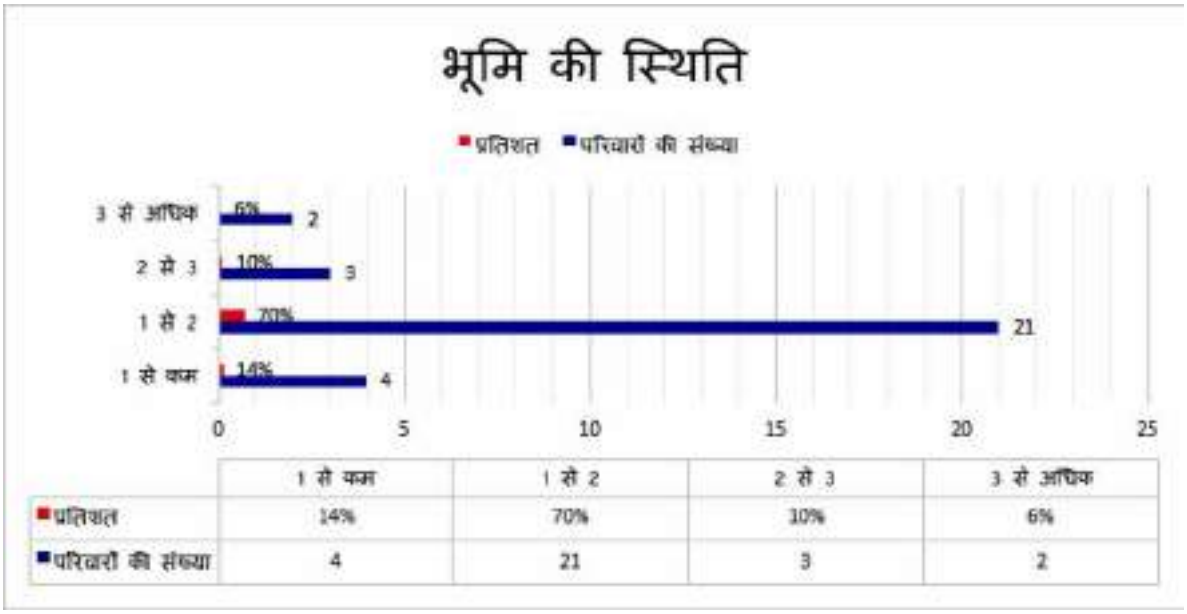

आय की स्थिति

सर्वेक्षित ग्राम में कृषि तथा अन्य कार्यों जैसे मजदूरी तथा व्यवसाय का मिला–जुला रूप देखने को मिलता है जिसके आधार पर अनेक आय का आधार भी अलग–अलग होता है। यहां पर 18 प्रतिशत परिवार 60 हजार आय प्राप्त करने वाले परिवार है, जबकि 15000 से कम आय वाले परिवार यहां 40 प्रतिशत निवास करती है।

मूलभूत सुविधाएं

1. **शिक्षा की सुविधाः** ग्राम लखनपुर में शिक्षा व्यवस्था बहुत अच्छी है। सर्वेक्षित ग्राम में अध्ययन की सुविधा आंगनबाड़ी, प्राथमिक विद्यालय, हाई स्कूल, हायर सेकंडरी विद्यालय,स्नातक स्तर तक की शिक्षा उपलब्ध है। यहां का साक्षरता दर लगभग 88.4 प्रतिशत एवं 11.4 प्रतिशत अशिक्षित है।
2. **परिवहन सुविधाः** यहां परिवहन हेतु मुख्य रूप से सड़क मार्ग का उपयोग किया जाता है। ग्रामीण सड़कों के साथ–साथ मुख्य सड़क भी विकसित है।
3. **पेयजल की सुविधाः** ग्राम लखनपुर में पंचायत द्वारा नल जल योजना के तहत पाइपलाइन द्वारा पीने के लिए पानी प्रत्येक घरों में उपलब्ध कराया जा रहा है। गांव में पेयजल की सप्लाई के लिए पंचायत द्वारा नल टंकी का निर्माण किया गया है। गांव में हैंडपंप की व्यवस्था तथा तालाब का भी उपयोग किया जाता है।
4. **स्वास्थ्य सुविधाएंः** ग्राम लखनपुर में लोगों को स्वास्थ्य सेवा के तहत स्मार्ट कार्ड सुविधा एवं आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध है जिसमें लोगों के स्वास्थ्य में सहायता प्राप्त होती है।
5. **राशन कार्ड एवं संचार सुविधाः** सर्वेक्षित ग्राम में सभी परिवारों के पास राशन कार्ड की सुविधा उपलब्ध है, तथा सभी परिवारों के पास मोबाइल, टीवी की सुविधा उपलब्ध है।

ग्राम लखनपुर(सरगुजा) की प्रमुख सामाजिक– आर्थिक समस्याएं

1. **बेरोजगारी की समस्याः** यहां अधिकांश परिवार कृषि कार्य पर निर्भर हैं जहां खेती मुख्यतः मानसून पर आधारित है और कृषि कार्य केवल सीमित समय के लिए उपलब्ध होता है। फसल के मौसम के बाद यहां वैकल्पिक रोजगार एवं स्रोतों की कमी है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के स्थाई साधन नहीं मिलते, जिससे उन्हें या तो पलायन करना पड़ता है या बेरोजगारी का सामना करना पड़ता है।
2. **शारीरिक श्रम का अधिक उपयोगः** क्षेत्र में मजदूरी का काम प्रचलित है, परंतु मेहनत के अनुरूप मजदूरी नहीं मिलती। अधिकतर श्रमिक कृषि, निर्माण कार्य या जंगल से लकड़ी एवं अन्य वनोपज संग्रह करते हैं,जिनमें अधिक शारीरिक मेहनत होती है। इसके बावजूद इन श्रमिकों की आमदनी बहुत कम है।
3. **आय की अस्थिरताः** यहां की जनसंख्या का बड़ा हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करता है। सीमित रोजगार और कृषि में जोखिम के चलते मासिक आय 15000 से भी कम होती है। इससे परिवार की स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण संबंधी आवश्यकता पूरी नहीं हो पाती।
4. **जल समस्याः** लखनपुर में जल की समस्या दो स्तरों पर देखी जाती है। सिंचाई हेतु जल की कमी; क्षेत्र में सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिससे किसान वर्षा पर निर्भर है। पानी की गुणवत्ता; कुछ गांव में पीने का पानी फ्लोराइड युक्त तथा दूषित पाया जाता है, जिससे दांत और हड्डी से जुड़ी बीमारियां होती हैं।
5. **संयुक्त परिवारों का विघटनः** पहले जहां लोग संयुक्त परिवारों में रहते थे, अब सामाजिक बदलाव के कारण एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है जिससे सामाजिक सहयोग की भावना कमजोर हुई है और बुजुर्गों की देखभाल व पारिवारिक जिम्मेदारियां में गिरावट आई है।

निष्कर्ष

ग्राम लखनपुर (सरगुजा) की सामाजिक और आर्थिक समस्याएं परंपरागत और संरचनात्मक दोनों प्रकार की है, जो वर्षों से चली आ रही है। बेरोजगारी, अस्थिर आय, जल संकट, सीमित स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक ढांचे में बदलाव– ये सभी मिलकर क्षेत्र के समग्र विकास में बाधा उत्पन्न करते हैं। विशेष रूप से युवा वर्ग और महिलाएं संसाधनों व अवसरों के अभाव में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, इस क्षेत्र में संभावनाएं भी अपार है। कृषि, वनोंपज,हस्तशिल्प, पर्यटन और लघु उद्योगों के माध्यम से यहां आर्थिक सशक्तिकरण को नई दिशा दी जा सकती है। इसके लिए आवश्यक है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं जैसे– मनरेगा, कृषि मिशन, महिला स्व– सहायता समूह योजना, स्टार्टअप इंडिया, जल जीवन मिशन, आदि को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाएस साथ ही, समाज के भीतर शिक्षा,स्वास्थ्य, स्वच्छता और कौशल विकास को लेकर व्यापक जन जागरूकता आवश्यक है। पंचायत, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय युवाओं की सहभागिता से यह कार्य और अधिक सशक्त किया जा सकता है। यदि सभी हितधारक– समाज, सरकार और नागरिक मिलकर समर्पित प्रयास करें तो लखनपुर न केवल अपनी समस्याओं से उबर सकता है, बल्कि एक आदर्श ग्रामीण विकास मॉडल के रूप में उभर सकता है। यह परिवर्तन तभी संभव है जब विकास के हर प्रयास में ''जन भागीदारी और स्थानीय समाधान'' को प्राथमिकता जी दी जाए।

समाधान एवं सुझाव

1. **स्थानीय रोजगार सजनः** कृषि आधारित लघु उद्योग जैसे– धन प्रसंस्करण, सब्जी संरक्षण, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि को बढ़ावा दिया जाए। मंडी और विपणन व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि किसानों को फसल का उचित मूल्य मिले।
2. **कौशल विकास प्रशिक्षणः** युवाओं को आईटीआई, सिलाई कढ़ाई, मोबाइल रिपेयरिंग, ब्यूटी पार्लर, मोटर मैकेनिक आदि जैसे कौशल में प्रशिक्षण दिया जाए। स्थानीय स्तर पर स्टार्टअप योजनाओं के लिए प्रोत्साहन दिया जाए। वनों से प्राप्त होने वाले कच्चे उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जाए।

3. **सिंचाई एवं जल प्रबंधनः** लघु सिंचाई योजनाएं जैसे– कुएं, तालाब, चेक डैम बनाकर वर्षा जल संग्रहण किया जाए। पीने के पानी के लिए फिल्ट्रेशन यूनिट लगाकर और जल शुद्धिकरण पर जागरूकता फैलाई जाए।
4. **स्वास्थ्य और पोषणः** प्राथमिक स्वास्थ्य केदो को सशक्त किया जाए और नियमित स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाए। महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण अभियान चलाया जाए।
5. **सामाजिक जागरुकता और सहयोगः** एकल परिवारों में बढ़ रही सामाजिक दूरी को कम करने के लिए सामुदायिक कार्यक्रम, महिला स्व – सहायता समूह और युवा मंडलों को सक्रिय किया जाए। शिक्षा और स्वच्छता पर विशेष बल दिया जाए।

संदर्भ सूची

1. बंसल, सुरेश चंद्र (2006) *नगरीय भूगोल,* मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ।
2. चांदना, आर. सी. (2002) *जनसंख्या भूगोल,* कल्याणी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
3. हुसैन, एम. (2007) *मानव भूगोल,* रावत पब्लिकेशन, जयपुर और नई दिल्ली।
4. हुसैन, मस्जिद (2000) *कृषि भूगोल,* रावत पब्लिकेशन, जयपुर।
5. मौर्य, एस. डी. (2008) *अधिवास भूगोल,* शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
6. मौर्य, एस. डी. (2006) *संसाधन एवं पर्यावरण,* प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. शर्मा, विरेन्द्र प्रकाश (2008) *रिसर्च मैथडोलॉजी,* पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
8. अग्रवाल, एस.एन (1987) *जनसंख्या भूगोल,* Tata McGraw Hill publcation, Noida.
9. तिवारी, आर.सी. (2016) *भारत का भूगोल,* प्रवालिका पब्लिकेशन, इलाहाबाद।
10. छत्तीसगढ़ आर्थिक समीक्षा (2023–24) छत्तीसगढ़ शासन, योजना अर्थशास्त्र और सांख्यिकीय विभाग द्वारा प्रकाशित, रायपुर।
11. मनरेगा वार्षिक रिपोर्ट (2022 –23) महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, भारत सरकार, नई दिल्ली।
12. जलजीवन मिशन दस्तावेज (2023) पेयजल और स्वच्छता विभाग जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
13. आजीविका मिशन की वार्षिक रिपोर्ट (2024–25) ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार योजना की जानकारी, छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर।

––==00==––